ज्ञानविविधा
रचना, आलोचना और शोध की त्रैमासिक पत्रिका

Online ISSN : 3048-4537
July-September 2024 : 1(4)80
©2024 Gyanvividha
www.gyanvividha.com

विनोद शर्मा वेणु
नेछवा, सीकर (राज)

Corresponding Author :
विनोद शर्मा वेणु
नेछवा, सीकर (राज)

आजादी

आजादी की खातिर पुरखों ने अपना रक्त बहाया था
तब नेहरू ने लाल किले पर ये झण्डा फहराया था
बंदुको की गोली खायी घास फूस की रोटी खायी
भगत सिंह से शेरों ने गोरों को हड़काया था
तब नेहरू ने लाल किले पर ये झण्डा फहराया था।।

कितने हुए सहीद देश पर कितने मिटे इस माटी पर
कितनी चिता जली थी यारों हल्दी वाली घाटी पर
बिना ढाल के गांधी ने अंग्रेजों को चौंकाया था
तब नेहरू ने लाल किले पर ये झण्डा फहराया था।।

तात्या टोपे, लक्ष्मी बाई, राणा ने बलिदान दिया
सुखदेव राजगुरु से वीरों ने मरना मंजूर किया
कितने धरा के वीरों ने फांसी को गले लगाया था
तब नेहरू ने लाल किले पर ये झण्डा फहराया था।।

•